भूकंप के लिए मानव भी हैं जिम्मेदार

28 मार्च का दिन म्यांमार और थाइलैंड के लिए एक बहुत ही बुरा दिन था। इस दिन यहां आए जोरदार व शक्तिशाली भूकंप ने दोनों देशों को बुरी तरह से हिलाकर रख दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रिक्टर स्केल पर 7.7 की तीव्रता वाले इस भूकंप ने म्यांमार के सागाइंग क्षेत्र से लेकर थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक तक भारी तबाही मचाई। इसके बाद आए 7.0 तीव्रता के एक और झटके ने स्थिति को और भी अधिक भयावह बना दिया। गौरतलब है कि

भूकंप के झटके म्यांमार के अलावा थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत, वियतनाम और चीन तक महसूस किए गए। पाठकों को बताता चलूं कि यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई है, जिससे कई इलाकों में दहशत, डर और खौफ का माहौल बन गया और इसका केंद्र राजधानी नेपीडॉ के पास बताया जा रहा है। वहीं शुक्रवार को आए भूकंप से मरने वालों की संख्या शनिवार को 1644 हो गई है। वहीं यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने आशंका जताई है कि भूकंप में मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में म्यांमार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। भूकंप से हजारों लोग घायल बताए जा रहे हैं, वहीं अनेक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।अभी संख्या में इजाफा हो सकता है, क्यों कि मलबे के नीचे और अधिक लोग दबे हो सकते हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर जाने से 10 लोगों की मौत हुई है। बैंकॉक शहर के अधिकारियों के अनुसार उन्हें अब तक 2,000 से ज्यादा इमारतों के नुकसान की रिपोर्ट मिली है। जियोलॉजिस्ट्स(भूगर्भवेत्ताओं) के मुताबिक यह देश में 200 साल में आया सबसे बड़ा भूकंप है। भूकंप के झटके इतने शक्तिशाली थे कि केंद्र से सैंकड़ों किमी दूर बैंकॉक के कई इमारतें नष्ट हो गईं। यहां तक कि भारत के मणिपुर तक भूकंप का असर हुआ है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि म्यांमार भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। वास्तव में,ग्लोबल सीस्मिक रिस्क मैप पर म्यांमार रेड जोन में है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में एक बहुत बड़ी दरार मौजूद है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सैगॉंग शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सैगॉंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है।इसे %स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट% कहते हैं। इसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे के बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं।सैगॉंग फॉल्ट में चट्टानों के खिसकने की अनुमानित रफ्तार 11 मिलीमीटर से 18 मिलीमीटर सालाना है।चट्टानों के लगातार खिसकने से ऊर्जा का दबाव बनता है और यह समय-समय पर भूकंप के रूप में ऊर्जा बाहर निकलती है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि भूकंप एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें पृथ्वी के अंदर से ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगें उत्पन्न होती हैं जो सभी दिशाओं में फैलकर पृथ्वी को कंपित करती हैं।

भारत भी विश्व में भूकंप की दृष्टि से एक संवेदनशील क्षेत्र है। सच तो यह है कि भारत का लगभग 59व क्षेत्र विभिन्न तीव्रता के भूकंपों के लिये प्रवण है।गौरतलब है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के महाद्वीपीय टकराव हिमालय में भूकंप के प्रमुख कारक हैं। जानकारी मिलती है कि भारतीय और यूरेशियन प्लेटें भी प्रतिवर्ष 40-50 मिलीमीटर की सापेक्ष दर से करीब आती जा रही हैं।यूरेशिया के नीचे भारत के उत्तर की ओर धकेलने/बढ़ने से कई भूकंप उत्पन्न होते हैं, फलस्वरूप यह इस क्षेत्र को पृथ्वी पर भूकंपीय रूप से सबसे अधिक खतरनाक क्षेत्रों में से एक बनाता है। कहना गलत नहीं होगा कि तकनीकी रूप से सक्रिय वलित हिमालय पर्वत की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। विश्व की सबसे बड़ी भूकंप पेटी, परि-प्रशांत भूकंपीय पेटी, प्रशांत महासागर के किनारे पाई जाती है, जहाँ हमारे ग्रह के सबसे बड़े भूकंपों के लगभग 81व आते हैं। इसे %रिंग ऑफ फायर% उपनाम से भी जाना जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि यह ठीक है भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन बावजूद इसके यह कहना गलत नहीं होगा कि आज भूकंप आने के पीछे कहीं न कहीं मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। आज मानव अप्राकृतिक निर्माण कार्य कर रहा है, प्रकृति से निरंतर छेड़छाड़ की घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

खनन, सुरंग निर्माण, बांध निर्माण, पेड़ों की कटाई की जा रही है। बढ़ती आबादी के बीच अनियोजित शहरीकरण, औद्योगिकीकरण हो रहा है। प्रकृति का हम ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। मनुष्य हर कहीं अपने लालच और स्वार्थ के चलते प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन कर रहा है। हाल ही में म्यांमार और थाइलैंड में आया भूकंप एक बार फिर यह बखूबी साबित करता है कि प्रकृति के सामने मनुष्य अत्यंत असहाय है। कहना चाहूंगा कि प्रकृति का विकराल रूप मानव समाज के सामने कई चुनौतियां खड़ी करता है। हम जानते हैं कि भूकंप का पूर्वानुमान कर पाना संभव नहीं है, भले ही आज हम एआइ के युग में ही प्रवेश क्यों न कर गये हों। म्यांमार के लिए यह बहुत बड़ी दुःख व संकट की घड़ी है। मानव ही मानव के काम आता है।इन भयावह और संकट भरे हालातों में पीड़ित लोगों के साथ सहानुभूति और मदद ही सबसे जरूरी है। आज जरूरत इस बात की भी है कि आज हम भूकंप जनित खतरों के प्रति सुभेद्यता के अनुरूप विकास योजनाएँ बनाएं, ताकि पर्यावरण संतुलन के साथ सतत विकास को बढ़ावा मिल सके।

कार्टून कोना.....

दशहरा मैदान के 'अवध लोक' पर श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ का शुभारंभ - गूंजने लगी मंत्रों एवं श्लोकों की मंगल ध्वनि

इंदौर। दशहरा मैदान स्थित अवध लोक पर हिन्दू नववर्ष एवं श्रीराम जन्मोत्सव का शुभारंभ रविवार सुबह श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ के शुभारंभ, अयोध्या में बने रामलला के भव्य मंदिर की प्रतिकृति में राम दरबार की स्थापना एवं गुड़ी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। दत्त माउली संस्थान के अधिष्ठाता सद्गुरु अण्णा महाराज, सांसद शंकर लालवानी, विहिप के ईश्वरदास हिन्दूजा सहित विहिप एवं संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर इन सभी अनुष्ठानों का शुभारंभ किया।

सुबह से दोपहर तक समूचा ' अवध लोक ' मंत्रों, श्लोको, चौपाइयों और आरतियों की मंगल ध्वनि से गुंजायमान बना रहा। सांसद शंकर लालवानी ने यज्ञशाला पहुंचकर संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान तथा श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री के साथ नए वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्र में सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की तथा यज्ञ में शामिल यजमानों को बधाई दी।

सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ में मालवांचल के विद्वान प्रतिदिन सुबह 7 से 10 बजे तक संपन्न कराएंगे। यज्ञशाला में दूर-दूर से आए यजमान भाग ले रहे हैं। आज सुबह अंतरिक्ष अग्नि अर्थात सूर्य के तेज से अग्नि प्रज्ज्वलन कर प्रधान कुंड पर अग्नि स्थापन की विधि संपन्न हुई। इसके बाद सभी अतिथियों ने रामलला के मंदिर की प्रतिकृति में वैदिक मंत्रोच्चार एवं अक्षत वर्षा के बीच राम दरबार की स्थापना संपन्न की। वर्ष प्रतिपदा के उपलक्ष्य में ' अवध लोक ' में गुड़ी की स्थापना की गई थी, जिसका पूजन सभी अतिथियों ने अभिजीत मुहूर्त में किया। इस गुड़ी को रेशमी वस्त्रों से श्रृंगारित किया गया था। जैसे ही अनुष्ठान की सभी रस्में संपन्न हुई, समूचा परिसर जय-जय सियाराम, रामलला के जयघोष एवं यज्ञ नारायण की जय के उद्घोष से गूंज उठा। इसके पूर्व सुबह यज्ञ के शुभारंभ पर भी यज्ञशाला से मंत्रो और श्लोकों की मंगल ध्वनि गूंजने लगी थी। दोपहर से ही यहां मेले की शुरुआत भी हो गई। यहां जितने स्टाल लगाए गए हैं, उन पर धार्मिक साहित्य, पूजन सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और अन्य सात्विक सामग्री विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगी। एक अलग झोन खाने-पीने की वस्तुओं का भी लगाया गया है, जहां बच्चों के मनोरंजन के लिए चकरी, झूले एवं चाट चौपाटी के साथ ही आईस्क्रीम, कुल्फी, शीतलपेय आदि के विक्रय की व्यवस्था की गई है। देश के विभिन्न राज्यों के लोकप्रिय व्यंजन भी यहां आने वाले लोगों को मिल सकेंगे। संध्या को पहले दिन ही हजारों लोगों ने इस मेले का सपरिवार आनंद लिया।

आज राम भजन एवं राम स्तुति ङ्क दशहरा मैदान पर अवध लोक में सोमवार, 31 मार्च को रात 8 बजे से राम भजन एवं राम स्तुति कार्यक्रम में संतोष अग्निहोत्री एवं स्मृति आदित्य द्वारा अपनी प्रभावी प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसी तरह मंगलवार, 1 अप्रैल को रामायण यात्रा का आयोजन पूर्वा पांडे एवं उनकी टीम द्वारा किया जाएगा। नवरात्रि में प्रतिदिन यहां रात 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होगी। सभी कार्यक्रम निशुल्क और आम लोगों के लिए खुले हैं।

संलग्न चित्र - दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर हिन्दू नववर्ष एवं श्रीराम जन्मोत्सव के शुभारंभ पर गुड़ी का पूजन करते हुए सद्गुरू अण्णा महाराज दूसरे चित्र में सांसद शंकर लालवानी राष्ट्र में सुख, शांति और समृद्धि के लिए गुड़ी पूजन करते हुए।

चाणक्य पूरी चौराहे पर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर मनाया हिन्दू नववर्ष

इन्दौर। हिन्दू नववर्ष आयोजन समिति, तरूण मंच, श्री नारायण मानव उत्थान समिति, महाराष्ट्र समाज, स्वदेशी जागरण मंच, आध्यात्मिक साधना मण्डल एवं राजेंद्र नगर रहवासी संघ इन्दौर द्वारा चाणक्यपुरी चौराहे पर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हिन्दू नववर्ष मनाया गया।

आने-जाने वाले राहगिरों, समिति सदस्य एवं महाराष्ट्रीयन समाज बंधुओं को गुड़ और धनिया बांटकर नववर्ष की बधाईयां भी दी गई।

हिन्दू नववर्ष आयोजन समिति संयोजक मलय बलराम वर्मा ने बताया कि सुबह साधु-संतों के सान्निध्य में उगले सूर्य को अर्घ्य देकर हिंदु नववर्ष का पर्व मनाया गया। वहीं इसके पश्चात 51 फीट की गुड़ी का पूजन साधु-संतों के सान्निध्य एवं विद्वान पंडितों के निर्देशन में मातृशक्तियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शास्त्री संगीत की भी विशेष प्रस्तुति दी गई।

भीषण गर्मी को देखते हुए सकोरे का वितरण कर सभी लोगों को अपने घरों की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने का संकल्प भी इस दौरान दिलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा राऊ विधायक मधु वर्मा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, प्रशांत बड़वे, बलराम वर्मा, पुष्पेंद्र चौहान, गौतम शर्मा, नीलेश सेवकानी, ललित जोशी सहित कई राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक पृष्ठभूमि से जुड़े गणमान्य नागरिक शामिल हुए थे।

गुड़ और धनिया बांटकर एक-दूसरे को दी बधाई, मातृशक्तियों को निःशुल्क सकोरों का हुआ वितरण, जल व पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई

।।डॉ.दादू महाराज को कार भेट।।

इंदौर। देश के प्रसिद्ध शनि साधक मोटिवेशनल स्पीकर और लाखो भक्तो की आस्था के केंद्र बिंदु बने डॉ.दादू महाराज को उनके भक्तो, शिष्यों द्वारा शनि अमावस्या 29 मार्च को न्यू ब्रांड नैक्सा एक्स एल 6 कार भेट स्वरूप प्रदान करी!

संस्थान के प्रताप तोलानी ने बताया कि देवास के शिष्य तन्मय चौधरी, भीलवाड़ा के नीरज सोमानी, निलेश सोमानी, चंचल सोनेने ने संयुक्त रूप से मिलकर गुरुदेव को गजासीन शनि धाम में जाकर कार की चाबी सौंपी। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री श्रवण सिंह चावड़ा, सरपंच श्री कमल पटेल लिम्बोदा गारी, श्री अनिल धनगर प्रदेश महासचिव धनगर समाज महासंघ जबलपुर, बीजेपी नेता श्री रानू अग्निहोत्री, मंडल अध्यक्ष श्री नितेश जैन श्री हेमराज चौधरी, समाज सेवी श्री प्रताप तोलानी, श्री गिरीश चौहान, श्रीमति अलका सैनी, श्री मनोज हार्डिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सांई प्रभातफेरी में हिंदु नववर्ष की बधाई

इन्दौर। रविवार को नंदानगर अनूप टॉकीज क्षेत्र से निकली प्रभातफेरी में हिंदु नववर्ष की बधाई दी गई। श्री केंद्रीय साईं सेवा समिति धार्मिक एवं मानव सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष गौतम सुरेंद्र पाटक, विनीता पाटक एवं प्रभातफेरी आयोजक विनोद यादव (बब्बू भैय्या) ने बताया कि अलसुबह निकली बाबा की प्रभातफेरी का नजारा देखने लायक था। एक ओर प्रभातफेरी की अगवानी में मातृशक्तियों ने अपने घरों के बाहर दीपक व रंगोली सजाई थी तो वहीं दुसरी ओर साईं भक्त गुड़ी का पूजन भी कर रहे थे। प्रभातफेरी जैसे-जैसे आगे बड़ी वैसे-वैसे भक्त इसमें जुड़ते चले गए। साईं भक्तों ने भी रहवासियों को 5 अप्रैल मनुहार यात्रा एवं 6 अप्रैल रामनवमी पर्व पर सुबह 5 बजे निकलने वाली बाबा की भव्य शोभायात्रा में शामिल होने के निमंत्रण के साथ ही हिंदु नववर्ष की बधाई भी दी। प्रभातफेरी में चिंटू चौकसे, पप्पू ठाकुर, अनुरागसिंह ठाकुर, बिट्टू ठाकुर, राहुल जादौन, देवेंद्र चौहान, अंकित सेंगर, संदीप सोनी, ननंदू यादव, रितेश यादव, रोशनसिंह यादव, पंकज यादव, पिंटू यादव, भुरू यादव, नीरज यादव, प्रदीप यादव, विनय यादव, सुनील खंडागले, बाबू धीमान, चिराग तिवारी, आलोक खादीवाला सहित बड़ी संख्या में सांई भक्त उपस्थित थे।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का किया पूजन, गुड़-धनिया व लड्डू बांटकर हिंदु नववर्ष मनाया

इन्दौर। संस्था विट्ठल रूकमणी द्वारा रविवार को चाणक्यपुरी चौराहे पर गुड़ी पड़वा (हिंदु नववर्ष) एवं लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्म शताब्दी वर्ष का जश्न मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के स्वरूप में पहुंची कन्याओं का पाद-पूजन साधु-संतों के सान्निध्य एवं विद्वान पंडितों के निर्देशन में मुख्य अतिथियों व आयोजकों द्वारा किया गया।

महोत्सव के दौरान इन्दौर को यातायात में भी नबंर वन बनाने का संकल्प दिलाया गया। चाणक्युपरी चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में मातृशक्तियां भी पहुंची थी।

संस्था विट्ठल रूकमणी एवं आयोजक मयुरेश पिंगले ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत साधु-संतों के सान्निध्य में कन्याओं के पाद-पूजन से की गई। 51 फीट की गुड़ी का पूजन मातृशक्तियों द्वारा किया गया एवं इसके पश्चात सभी को गुड़-धनिया बांटकर हिंदु नववर्ष की बधाई दी गई।

कार्यक्रम में हनुमंत ध्वज पथक के 40 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सभी का ध्यानाकर्षण किया। महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम भी आम नागरिकों को एलईडी स्क्रीन पर दिखाया गया।

इसी के साथ आने-जाने वाले राहगिरों को भी प्रसादी बांटी गई। चाणक्यपुरी चौराहे पर गुड़ी पड़वा पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में नितीन मतकर महाराज, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व राज्यमंत्री पं. योगेंद्र महंत, डॉ. निशांत खरे, गोपाल गोयल, अनंत पंवार, प्रदीप नायक, उज्जवल फणसे, विशाल खटीक, विशाल बंसौड़े, विजय देवड़ा सहित मातृशक्तियां मौजूद थी।

गीता भवन में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रतिदिन होंगे दुर्गा सप्तशती के पाठ

इंदौर। मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर नव संवत्सर एवं गुड़ी पड़वा तथा चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री राम विलास राठी, प्रेमचंद गोयल एवं अन्य न्यासियों ने घट स्थापना कर राम दरबार मंदिर में आरती की। गीता भवन में नवरात्रि के दौरान सोमवार से प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा। उत्सव की शुरुआत श्रीराम दरबार एवं देवी माता मंदिर में घट स्थापना से हुई। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव में प्रतिदिन रामचरित मानस के नवान्ह पारायण एवं दुर्गा सप्तशती के पाठ सहित विभिन्न अनुष्ठान होंगे। 5 अप्रैल को महाअष्टमी एवं 6 को रामनवमी पर शतचंडी महायज्ञ होगा, जिसमें श्रद्धालु भी आहुतियां प्रदान करेंगे। 6 अप्रैल को सुबह श्रीराम महायज्ञ तथा दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आरती में ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी, प्रेमचंद गोयल, मनोहर बाहेती, टीकमचंद गर्ग, राजेश गर्ग केटी, महेशचंद्र शास्त्री, दिनेश मित्तल, हरीश माहेश्वरी संजीव कोहली सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

तिलक पथ पर संस्कार भारती की सुंदर रंगोली

इंदौर। गुड़ी पाड़वा नव वर्ष की शुरुआत का आगाज तिलक पथ पर संस्कार भारती की सुंदर रंगोली द्वारा किया गया। हर एक के दरवाजे सामने गुड़ी लगाने के पहले रंगोली निकाली गई इसका उद्देश्य यह था कि हमारी पुरानी परंपरा फिर से जागृत हो युवा इससे प्रेरणा ले सभी रंगोलिया तिलकपथ, नारायणबाग, पंत वेद कॉलोनी रहवासीओ ने रंजना ठाकुर, वंदना बापट के अगवाई संस्कार भारती की छाया मलमकर, माधुरी देव एवं अन्य सहयोगियों द्वारा निकाली गई।

दुखी व्यक्ति का वर्तमान देखिए भूतकाल नहीं

इंदौर। जब भी हम किसी दुखी व्यक्ति को देखते हैं तो उसके भूतकाल में उसके द्वारा किए गए कार्य के परिणाम ही मानते हैं। इसलिए कभी भी दुखी व्यक्ति का भूतकाल नहीं, उसका वर्तमान देखना चाहिए।

इसी तरह सुखी का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भूतकाल का विचार करना चाहिए, जिसमें उसने अच्छे कर्म किए होंगे, जिसके फलस्वरूप उसका वर्तमान अच्छा है। इसी तरह पापी व्यक्ति का भविष्य देखना चाहिए ताकि प्रेरणा लेकर पुण्य कार्यों को प्रेरित हों सके।

उक्त विचार महेश नगर उपाश्रय में परम् पूज्य आचार्यश्री जिनसुंदर सुरिश्वर जी मसा ने प्रवचनों के द्वारा श्रावक-श्राविकाओं को व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने जिन शासन के महत्व को भी बताया। महेश नगर जिनालय से जुड़े मनीष शाह ने बताया कि इस दौरान जैन धर्मावालवियों ने आचार्यश्री का आशीर्वाद भी लिया।

इस अवसर पर प्रकाश भाई शाह, श्रेणिक तातेड़, इंद्रेश जैन, गिरीश सिंघी, राजेंद्र संचेती सहित ट्रस्ट मंडल मौजूद था। रविवार को पिपली बाजार स्थित जिनालय में नववर्ष पर महामांगलिक आचार्यश्री के श्रीमुख से संपन्न हुई।